कि सागर, जो बुंदेलखंड है, गोंड्वाना, नरसिंहपुर जिला, छिंदवाड़ा, से पूरा ट्राइबल एरिया है, यदि वहां से होते हुए नागपुर तक रेल लाइन जुड़ जाती है, मैं आपको बता दूं कि इसका सर्वे भी सब्मिट हो चुका है। इससे दूरी इतनी कम हो जाएगी कि रेल की लागत कुछ ही समय में वसूल हो जाएगी। अभी हम रेल से नागपुर 12 घण्टे में पहुंचते हैं, यदि यह लाइन बनती है तो हम अपने स्थान से 3 घण्टे में नागपुर पहुंच सकते हैं। इससे 500 गांव जुड़ते हैं। यह डिमांड बहुत लम्बे समय से चली आ रही है। हम आपके माध्यम से चाहते हैं कि सरकार इस पर त्वरित निर्णय ले। बुंदेलखंड की आबादी 5 प्रतिशत है और गोंड्वाना के 500 से अधिक गांव इससे जुड़ेंगे, इनका विकास होगा। मैं आपके माध्यम से यह मांग करता हूं कि सरकार इस पर कोई कारगर कदम उठाए, धन्यवाद।

Obscenity in electronic and print media

प्रो. राम गोपाल यादव (उत्तर प्रदेश): सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार के सामने और सभी संसद सदस्यों के सामने एक बहुत महत्वपूर्ण मुद्दा इसलिए उठाना चाह रहा हूं कि देश बहुत तेज़ी से नैतिक संकट की तरफ बढ़ रहा है। जिनको भारतीय संस्कृति से स्नेह है और जिनको भारतीयता से स्नेह है, उन सबकी तरफ, इसमें मैं भी शामिल हूं, उन सबको इस बात की चिंता है कि जिस तरह से इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया में और मैगज़ींस में विज्ञापन छापे जा रहे हैं, जिस तरह से अश्लीलता का भोंड़ा प्रदर्शन किया जा रहा है... जिस तरह से obscenity and vulgarity लगातार बढ़ रही है, इससे एक गंभीर स्थिति पैदा हो रही है। हम सब न्यूज सुनते हैं, तब उसके बीच में भी ऐसे विज्ञापन आने लगते हैं कि हम परिवार के साथ बैठकर न्यूज भी नहीं सुन सकते हैं। यह गंभीर चिंता का विषय है। सर, London University के International History के प्रोफेसर Arnold J. Toynbee ने अपनी पुस्तक "Study of History" में कहा कि दुनिया में बहुत सारी ऐसी सभ्यताएं हैं। उन्होंने बहुत स्टडी करने के बाद एक किताब लिखी और उसके कई वॉल्यूम्स हैं, जब civilization पर लिखा, तो कहा उनका disintegration जो हुआ, उसमें मुख्य रूप से दो कारण थे- nudity and alcoholism और ये दोनों ही फैक्टर हिन्दुस्तान में बहुत तेजी से पनप रहे हैं। दुर्भाग्य के लिए हम सब ज़िम्मेदार हैं स्थिति ऐसी हो गई है कि हमने 377 और 497 जैसी धाराओं को आईपीसी से हटा दिया है और unnatural offence और adultery को लीगलाइज़ कर दिया। हमने तब भी विरोध किया था कि इस पर सहमति मत कराइए, यह हमारी संस्कृति और सभ्यता के खिलाफ है और nudity की स्थिति तो यह हो गई है कि ऐसे दिखाते हैं कि रैम्प वॉक कर रहे हैं और अंडरगारमेंट्स खिसक जाते हैं। It is all deliberate, यह लड़कों के मन में जो मानसिक विकृति पैदा हो रही है, जिसकी वजह से महिलाओं पर और लड़कियों पर अत्याचार हो रहे हैं, इसका एक बहुत बड़ा कारण यह भी है।

सर, मैं आपके माध्यम में गवर्नमेंट से और आईबी मिनिस्टर से खास तौर से यह अनुरोध करना चाहूंगा कि इस पर पाबंदी लगाइए। आपने धारा 370 हटाने का वादा किया था और धारा 377 हटा दी।

श्री सभापति: ठीक है।

प्रो. राम गोपाल यादव: यह जरूरी है कि आप इस पर पाबंदी लगाएं और देश को बचाएं।

श्रीमती कान्ता कर्दम (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को संबद्ध करती हूं।

डा. अशोक बाजपेयी (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री; तथा सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री प्रकाश जावडेकर): सर, एक बहुत महत्वपूर्ण विषय प्रो. राम गोपाल जी ने रखा है, तो इसके बारे में हम विचार कर रहे हैं कि अभी जो मशीनरी है, उसके द्वारा ऐसी 6,700 कम्प्लेंट्स का निपटारा किया गया है और बदलाव किए गए हैं। मैं मानता हूं कि उसमें effective steps लेने की जरूरत है।

SHRI ANAND SHARMA (Himachal Pradesh): Sir, if you allow me, the hon. Minister said that ...*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: No, no. Mr. Vinay Dinu Tendulkar.

SHRI ANAND SHARMA: Sir, if you allow me, the standards of advertisement ...*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: Anandji, I have not allowed you. It is a very important issue.

SHRI ANAND SHARMA: Sir, when such issues come before Parliament...

MR. CHAIRMAN: It requires to be discussed.

SHRI ANAND SHARMA: Sir,...

MR. CHAIRMAN: No, no. Please, sit down. ...*(Interruptions)*... The Parliament is there for the last seventy years. ...*(Interruptions)*...No, no. Don't argue with the Chairman. Please, sit down. ...*(Interruptions)*... I am now going to the next Zero Hour submission. Shri Vinay Tendulkar. ...*(Interruptions)*...It is Parliament, after all. ...*(Interruptions)*...

SHRI ANAND SHARMA: I am not arguing with the Chairman. ...*(Interruptions)*... I am only requesting the Chair to be flexible. ...*(Interruptions)*...

Need to begin morning and evening trains from Goa to Belgaum

श्री विनय दीनू तेंदुलकर (गोवा): सम्माननीय सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार के ध्यान में लाना चाहता हूं कि...

MR. CHAIRMAN: I also have a minimum of twenty years' experience in Parliament.